दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स

झारखंड

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

झारखंड **5**

- बिरसा मुंडा एयरपोर्ट 5
- 'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' 5
- 'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' का समापन 5
- 'आदिवा' 6
- पब्लिक अफेयर्स इंडेक्स, 2021 6
- एकल अभिनय (मोनो एक्ट) प्रतियोगिता 7
- झारखंड के 2 व्यक्तियों को मिला 2020 का पद्म पुरस्कार 7
- पीएम अनुसंधान फेलो के लिये शुभम गोयल का चयन 7

नोट :

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड 'फोकस स्टेट' 8
- पलामू टाइगर रिज़र्व 8
- जनजातीय गौरव दिवस 8
- राज्य स्थापना दिवस अलंकरण परेड समारोह 9
- झारखंड स्थापना दिवस 9
- यूनिवर्सल पेंशन योजना 10
- असर (ASER) रिपोर्ट 2021 11
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में झारखंड नंबर वन 11
- झारखंड विधानसभा की 21वीं वर्षगाँठ 12
- संथाल का पहला फोर लेन रोड 'हंसडीहा-महगामा' 12
- झारखंड राज्य दिवस पर दिखी राज्य की परंपरा और संस्कृति की झलक 13
- लैंगिक समानता के लिये XISS व PHIA फाउंडेशन के बीच समझौता 13

नोट :

- पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर'का विमोचन 14
- बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 में झारखंड देश का द्वितीय सर्वाधिक गरीब राज्य 14
- व्यापार मेला में फोकस स्टेट की श्रेणी में झारखंड पवेलियन को मिला स्वर्ण पदक 14
- तोरपा शत-प्रतिशत कोविड-19 टीकाकरण प्राप्त करने वाला राज्य का पहला ब्लॉक 15

दृष्टि The Vision

नोट :

झारखंड

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल के प्रथम चरण की सर्वे रिपोर्ट में पूरे देश के 60 एयरपोर्ट में से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट (राँची) को देश में 5वाँ एवं पूर्वी भारत में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल द्वारा प्रत्येक छह महीने में सर्वे कराया जाता है, जिसके आधार परएयरपोर्ट की रैंकिंग जारी की जाती है।
- इस सर्वे में यात्रियों से 35 बिंदुओं पर फीडबैक लिये गए थे, जिसमें एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी, पार्किंग सुविधा, चेकिंग के बाद एयरपोर्ट में बैठने की सुविधा, शौचालय, एयरपोर्ट कर्मियों का व्यवहार आदि को शामिल किया गया।

'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव'

चर्चा में क्यों ?

- 30 अक्टूबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' के समापन समारोह में चार पुस्तकों 'पाड़ामुंतोम बस्तर', 'ऐतिहासिक जीत को सलाम', राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव, 2019 पर 'कॉफी-टेबल बुक' और 'हमर संस्कृति, हमर तिहार' का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री द्वारा विमोचित इन पुस्तकों से एक कृति 'पाड़ामुंतोम बस्तर', बस्तर संभाग और वहाँ निवास कर रही जनजातियों के विकास पर केंद्रित है।
- दूसरी कृति 'ऐतिहासिक जीत को सलाम' 1971 की जंग में भारत की ऐतिहासिक जीत, सैनिकों के शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा प्रियदर्शिनी गांधी के नेतृत्व और व्यक्तित्व को सामने रखती है।
- जनसंपर्क विभाग द्वारा राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव, 2019 की यादों को एक 'कॉफी-टेबल बुक' के रूप में सजाया गया है।
- चौथी कृति 'हमर संस्कृति, हमर तिहार', छत्तीसगढ़ के लोकपर्वों के बारे में जानकारी प्रस्तुत करती है।

'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' का समापन

चर्चा में क्यों ?

- 30 अक्टूबर, 2021 को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' का समापन हुआ, जिसमें झारखंड राज्य ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 28 अक्टूबर, 2021 को 'राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव' व 'राज्योत्सव 2021' का आगाज हुआ था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया था।
- इस तीन दिवसीय नृत्य महोत्सव में सात देशों, देश के 27 राज्यों और छह केंद्रशासित प्रदेशों की टीमों ने फोक डांस की 60 से ज्यादा प्रस्तुति दी।
- विवाह संस्कार व पारंपरिक त्योहार और फसल कटाई एवं एनी पारंपरिक विधाओं जैसी दो कैटेगरी में रखे गए डांस प्रतियोगिता में 47 टीमों ने अपनी प्रस्तुति दी।
- विवाह संस्कार में पहले स्थान पर झारखंड का कलसा नृत्य, दूसरे स्थान पर ओडिशा का धप नृत्य और तीसरे स्थान पर असम का कारबी तिवा नृत्य रहा।
- पारंपरिक एवं अन्य विधाओं में पहला झारखंड का छाऊ नृत्य, दूसरा ओडिशा का बजासल नृत्य और तीसरा छत्तीसगढ़ का गौर नृत्य रहा।
- झारखंड को प्रथम पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपए, ओडिशा को द्वितीय पुरस्कार के रूप में 3 लाख रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में असम को 2 लाख रुपए मिला।

'आदिवा'

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी लिमिटेड ने स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देने तथा रोज़गार प्रदान करने के लिये पारंपरिक आभूषणों का एक ब्रांड 'आदिवा' को लॉन्च किया ।

प्रमुख बिंदु

- 'आदिवा' ब्रांड की लॉन्चिंग का मुख्य उद्देश्य राज्य के पारंपरिक आभूषणों को एक नई पहचान के माध्यम से बड़े बाज़ार से जोड़कर राज्य की विरासत आदिवासी आभूषणों को बचाना तथा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोज़गारी बनाना है।
- यह 'सखी मंडल' की महिलाओं द्वारा निर्मित आदिवासी आभूषणों को बड़े बाज़ार से जोड़कर उद्यमिता के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास है।
- विदित है कि सखी मंडल के उत्पादों को बड़े बाज़ारों से जोड़ने के लिये मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर 'फ्लाश ब्रांड' की शुरुआत की गई है, जिससे ग्रामीण महिलाओं की आय में इजाफा हुआ है। इसी कड़ी में 'आदिवा' को भी लॉन्च किया गया है।
- आदिवा के शुभारंभ कार्यक्रम में राज्य के सभी ज़िलों की जेएसएलपीएस टीमों को ऑनलाइन जोड़ा गया।

पब्लिक अफेयर्स इंडेक्स, 2021

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जारी पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स, 2021 में विकास के मामले में बड़े राज्यों की श्रेणी में झारखंड को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- पब्लिक अपेयर्स इंडेक्स की गणना तीन आधारभूत स्तंभों- इक्विटी, विकास/वृद्धि तथा संधारणीयता के आधार पर की गई है।
- इसमें इक्विटी स्तंभ में बड़े राज्यों की सूची में झारखंड को 9वाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि गुजरात को प्रथम एवं उत्तर प्रदेश को अंतिम स्थान प्राप्त हुआ है।
- विकास/वृद्धि स्तंभ में झारखंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और बड़े राज्यों की श्रेणी में इसे तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष इसे 14वाँ स्थान प्राप्त हुआ था।

नोट :

- संधारणीयता स्तंभ में बड़े राज्यों में झारखंड को 15वाँ स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि केरल प्रथम एवं उत्तर प्रदेश अंतिम पायदान पर हैं।
- वहीं ओवर ऑल रैंकिंग में केरल को प्रथम एवं तमिलनाडु को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

एकल अभिनय (मोनो एक्ट) प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

- 7 नवंबर, 2021 को झारखंड फिल्म एंड थिएटर एकेडमी (JFTA) के मिनी सभागार में एकल अभिनय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में कलाकारों द्वारा 'कोरोना की मार, ऊपर से पेट्रोल-डीज़ल का वार' विषय पर एकल अभिनय प्रस्तुत किया गया।
- निर्णायक मंडली में शामिल फिल्मकार पुरुषोत्तम कुमार और रंगकर्मी अशोक गोप के द्वारा विजेताओं का चयन किया गया।
- इस प्रतियोगिता की विजेता निशा गुप्ता रहीं, वहीं आयुष शर्मा को द्वितीय पुरस्कार एवं अभिषेक राय को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। नायरा शगुन एवं शाहबाज को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

झारखंड के 2 व्यक्तियों को मिला 2020 का पद्म पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के द्वारा वर्ष 2020 के लिये पद्म पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के 'गुरु शशाधर आचार्य' को 'कला' के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री मधु मंसुरी हसमुख को भी कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिये 2020 का पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वर्ष 2020 के लिये 141 पद्म पुरस्कार प्रदान किये गए जिनमें पद्म विभूषण (07), पद्म भूषण (16) एवं पद्म श्री (118) शामिल हैं।
- विदित हो कि कोविड-19 के संक्रमण के कारण यह पुरस्कार अबतक प्रदान नहीं किया जा सका था।

पीएम अनुसंधान फेलो के लिये शुभम गोयल का चयन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में झारखंड के शुभम गोयल को प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलो (पीएमआरएफ) के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा देश में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिये प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलों की शुरुआत की गई थी।
- इस योजना की घोषणा सर्वप्रथम 2018-19 के बजट में की गई थी।
- इस योजना के तहत पहले दो वर्ष के लिये 70,000 रुपए प्रतिमाह, तीसरे वर्ष में 75000 रुपए प्रतिमाह एवं चौथे एवं पाँचवें वर्ष में 80,000 रुपए प्रतिमाह की फेलोशिप प्रदान की जाती है। साथ ही रिसर्च ग्रांट के रूप में 2 लाख रुपए प्रतिवर्ष (5 वर्ष के लिये कुल 10 लाख रुपए) प्रदान किये जाते हैं।
- यह फेलोशिप पाने वाले शुभम गोयल वर्तमान में आई आई टी, दिल्ली से पीएचडी कर रहे हैं।

नोट :

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड 'फोकस स्टेट'

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2021 को झारखंड राज्य उद्योग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आगामी भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में झारखंड उत्तर प्रदेश के साथ 'फोकस स्टेट' होगा। इस मेले में बिहार एक 'साझेदार राज्य' की भूमिका निभाएगा।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि आईआईटीएफ एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो पिछले साल कोविड-प्रेरित प्रतिबंधों के कारण आयोजित नहीं किया जा सका था। इस वर्ष यह 14 नवंबर से 27 नवंबर, 2021 तक राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में आयोजित किया जाएगा।
- यह इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइज़ेशन द्वारा आयोजित IITF का 40वाँ संस्करण होगा।
- राज्य उद्योग विभाग के सूत्रों के अनुसार, राज्य में विभिन्न व्यावसायिक अवसरों को प्रदर्शित करने के लिये इस अंतर्राष्ट्रीय मेले में झारखंड को कम-से-कम 35 स्टॉल आवंटित किये गए हैं। मेले में झारखंड के कुछ स्टॉल खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, वन संरक्षण, पर्यटन और आदिवासी हस्तशिल्प पर केंद्रित होंगे।
- झारखंड सिल्क टेक्सटाइल एंड हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (झारक्राफ्ट) द्वारा खादी स्टॉल और अन्य स्टॉल भी लगाए जाएंगे।
- अधिकारियों ने बताया कि मेला झारखंड को वैश्विक प्रदर्शन हासिल करने और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं में सुधार करने में मदद करेगा। मेले में झारखंड की संस्कृति, कला और औद्योगिक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे राज्य को व्यापार के लिये वैश्विक मानचित्र में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा।

पलामू टाइगर रिज़र्व

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में पलामू टाइगर रिज़र्व (झारखंड) के निदेशक एवं मुख्य संरक्षक कुमार आशुतोष ने बताया कि लंबे अरसे के बाद इस रिज़र्व में एक बाघ देखा गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस रिज़र्व में मार्च 2020 के बाद पहली बार टाइगर देखा गया है।
- विदित हो कि 2019 में जारी की गई बाघ गणना रिपोर्ट में इस रिज़र्व में बाघों की संख्या को शून्य बताया गया था, किंतु अब रिज़र्व में बाघ देखा जाना राज्य के लिये एक खुशखबरी है।
- ध्यातव्य है कि पलामू टाइगर रिज़र्व की स्थापना वर्ष 1974 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत की गई थी।
- पलामू टाइगर रिज़र्व विश्व का ऐसा प्रथम अभयारण्य है, जहाँ पगमार्क गिनती के आधार पर बाघ गणना की गई थी।
- विदित हो कि झारखंड के लातेहार ज़िले में कुल 1130 वर्ग किमी क्षेत्र में विस्तृत पलामू टाइगर रिज़र्व के अंदर ही 226.32 वर्ग किमी में 'बेतला नेशनल पार्क' स्थित है।

जनजातीय गौरव दिवस

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने को मंज़ूरी दी है। 15 नवंबर झारखंड राज्य का स्थापना दिवस भी है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिमंडल की यह घोषणा आदिवासी समुदायों के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को स्वीकृति प्रदान करती है। यह जनजातीय गौरव दिवस हर साल मनाया जाएगा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं वीरता, आतिथ्य तथा राष्ट्रीय गौरव के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिये आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देगा।
- यह दिन वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को समर्पित है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ देश के प्रति उनके बलिदानों के बारे में जान सकें।
- जनजातीय गौरव दिवस समारोह के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर आदिवासी समाज, संस्कृति, विरासत, स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज के योगदान के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करने के लिये 15 नवंबर से 22 नवंबर तक एक सप्ताह का उत्सव शुरू करेगी।
- उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर, 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था की शोषक प्रणाली के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और 'उलगुलान'(क्रांति) का आह्वान करते हुए ब्रिटिश दमन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था।
- गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने 2016 के स्वतंत्रता दिवस पर राँची सहित पूरे भारत में 10 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों की स्थापना को मंज़ूरी दी थी। राँची की पुरानी जेल, जहाँ बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी, को संग्रहालय के रूप में पुनर्निर्मित किया जा रहा है।

राज्य स्थापना दिवस अलंकरण परेड समारोह

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2021 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड राज्य स्थापना दिवस अलंकरण परेड समारोह में शामिल हुए तथा आकर्षक परेड का निरीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इस समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिये 57 पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को मेडल देकर सम्मानित किया। इनमें एक पुलिस पदाधिकारी को विशिष्ट सेवा पदक, 27 पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को मुख्यमंत्री वीरता पदक और 29 पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर आयोजित परेड में झारखंड सशस्त्र पुलिस-1, झारखंड सशस्त्र पुलिस-2, वायरलेस की बटालियन, झारखंड सशस्त्र पुलिस-10 (महिला वाहिनी), इंडियन रिज़र्व बटालियन-5, राँची ज़िला बल और झारखंड जगुआर की टीम शामिल हुईं। इसके अलावा झारखंड सशस्त्र पुलिस बटालियन-1, झारखंड सशस्त्र पुलिस बटालियन-10 और झारखंड पुलिस अकादमी, हज़ारीबाग की बैंड टीम ने भी भाग लिया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी राँची के डोरंडा स्थित जैप ग्राउंड का ऐतिहासिक महत्त्व है। यह कई बड़े और महत्त्वपूर्ण समारोह तथा कार्यक्रमों का गवाह रहा है। इस मैदान के सौंदर्यीकरण के साथ सारी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उसका और बेहतर तरीके से इस्तेमाल हो सके। उन्होंने इस मौके पर जैप परिसर की सड़कों का कालीकरण करने की भी घोषणा की।

झारखंड स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को झारखंड में 21वाँ राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। आज ही के दिन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी मनाई जाती है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 15 नवंबर, 2000 को बिहार के दक्षिणी हिस्से को विभाजित कर झारखंड राज्य का सृजन किया गया था।

नोट :

- भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित झारखंड को 'जंगल ऑफ फारेस्ट' या 'बुशलैंड' भी कहा जाता हैं।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंडवासियों को बधाई दी तथा राँची स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया।
- इस अवसर पर प्रोजेक्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम में पँश्री से सम्मानित झारखंड के तीन विभूतियों और भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को सम्मानित किया गया।
- सार्वभौमिक पेंशन योजना के साथ नक्सल प्रभावित ज़िलों खूंटी, प्श्चिम सिंहभूम, गुमला, सरायकेला और सिमडेगा में युवक युवतियों को खेल से जोड़ने के लिये 'सहाय योजना' को लॉन्च किया गया।
- इसके अलावा 'पूलों झानों आशीर्वाद अभियान' के दूसरे चरण का शुभारंभ, पंच नवजीवन सखी दीदियों को सम्मान और इससे संबंधित नए वेब पोर्टल का लोकार्पण किया गया।
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खूंटी ज़िले में 'आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम की शुरूआत और इससे संबंधित ऐप की लॉन्चिंग भी की।

यूनिवर्सल पेंशन योजना

चर्चा में क्यों ?

- 16 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद राज्य में 'यूनिवर्सल पेंशन योजना' लागू कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत संचालित इस पेंशन योजना को सरल बनाया गया है। इसमें एपीएल और बीपीएल कार्ड की बाध्यता समाप्त कर दी गई है।
- इस योजना की खास बात यह है कि अब 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी वृद्धजनों को पेंशन योजना का लाभ प्राप्त होगा। बशर्ते आवेदक करदाता न हो। गरीब, नि:शक्त और निराश्रित, जिनमें विधवा, एकल, परित्यक्त महिलाएँ भी शामिल हैं, इस स्कीम से आच्छादित होंगे। इन सभी को एक हज़ार रुपए महीने सीधे बैंक खाता में प्राप्त होगा।
- सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन योजना के तहत 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।
- सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के माध्यम से इस पेंशन योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा।
- यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के तहत जिन अलग-अलग लाभुकों को लाभ देने का प्रावधान है, वे इस प्रकार हैं-
  - मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना- इसके तहत आवेदक (पुरुष अथवा महिला) की उम्र 60 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिये। उम्र संबंधी दस्तावेज़ की ज़रूरत पड़ेगी। साथ ही, आवेदक करदाता नहीं होना चाहिये।
  - मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की महिला, जिनके पति की मृत्यु हो गई हो, पेंशन के लिये पात्र होगी। इसके लिये पति की मृत्यु प्रमाण-पत्र की ज़रूरत होगी।
  - इसके अलावा 18 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु की परित्यक्त महिला, 45 वर्ष अथवा उससे अधिक उम्र की एकल महिला को भी पेंशन का लाभ मिलेगा। इन दोनों ही वर्गों के तहत आनेवाली महिलाओं को मुखिया एवं पंचायत सचिव/ वार्ड पार्षद एवं राजस्व उपनिरीक्षक का संयुक्त प्रमाण-पत्र अथवा विधायक/सांसद अथवा किसी राजपत्रित पदाधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण-पत्र की ज़रूरत होगी।
  - स्वामी विवेकानंद नि:शक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत दिव्यांगता संबंधी प्रमाण-पत्र की छायाप्रति तथा आयु प्रमाण-पत्र (18 वर्ष से कम उम्र होने पर जन्म प्रमाण-पत्र या स्कूल अथवा कॉलेज के प्रधानाचार्य के हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र) की ज़रूरत पड़ेगी।
  - एचआईवी/एड्स पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना के तहत आयु सीमा नहीं रखी गई है। आवेदक के लिये ART/ARD प्राप्त करने संबंधी चिकित्सा प्रमाण-पत्र की ज़रूरत होगी।

नोट :

असर (ASER) रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में एनजीओ 'प्रथम'के द्वारा 16वीं 'शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट ASER 2021 जारी की गई, जिसमें झारखंड में सरकारी विद्यालयों की ओर विद्यार्थियों की झुकाव में वृद्धि दर्शायी गई है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले 6-14 वर्ष आयु समूह के बच्चों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- 2020 में झारखंड के सरकारी विद्यालयों में नामित बच्चों (6-14 वर्ष) की संख्या 72.1% थी, जो 2021 में बढ़कर 78.6% हो गई हैं।
- झारखंड के 57.6 प्रतिशत बच्चों को ट्यूशन लेना पड़ता है, जबकि राष्ट्रीय औसत सिर्फ 39.2 प्रतिशत है।
- वर्ष 2021 में राज्य के वैसे नामांकित विद्यार्थी, जिनके घरों में स्मार्टफोन है, की संख्या बढ़कर 60.2 प्रतिशत हो गई है, जो वर्ष 2018 में केवल 20.6 प्रतिशत थी।
- राज्य के 89.8 प्रतिशत नामांकित बच्चों के पास उनके ग्रेड की पुस्तकें उपलब्ध हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 91.9 प्रतिशत है।
- राज्य के 6-14 वर्ष आयु समूह के 2.7 प्रतिशत बच्चे अभी भी विद्यालयों में अनामांकित हैं, जिनमें 3.1 प्रतिशत लड़के एवं 2.3 प्रतिशत लड़कियाँ शामिल हैं।
- राज्य के केवल 15.3 प्रतिशत नामांकित विद्यार्थी ही घरों से ऑनलाइन पढ़ाई कर पा रहे हैं, जबकि केरल में यह 91 प्रतिशत है, वहीं राष्ट्रीय औसत भी झारखंड से काफी अधिक (24.2 प्रतिशत) है।
- विदित हो कि यह रिपोर्ट द्वारा ग्रामीण भारत के बच्चों की स्कूली शिक्षा की स्थिति एवं बुनियादी पढ़ने और गणित की क्षमता पर आँकड़े प्रस्तुत करती है।
- कोविड-19 महामारी के कारण 'असर (ASER) 2021' रिपोर्ट एक फोन आधारित सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की गई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में झारखंड नंबर वन

चर्चा में क्यों ?

- 20 नवंबर 2021 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में झारखंड को 100 शहरी निकायों वाले राज्यों की श्रेणी में देश के अव्वल राज्य का सम्मान प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- इस मौके पर राज्य सरकार की ओर से नगर विकास एव आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे ने सम्मान प्राप्त किया।
- सर्वेक्षण में 100 शहरी निकायों वाले राज्यों की श्रेणी में झारखंड को बेस्ट परफॉर्मिंग अवार्ड के साथ कुछ शहरों को भी विभिन्न कैटेगरी में सम्मानित किया गया है।
- देश के 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में जमशेदपुर को सफाई मित्र सुरक्षा चैलेंज के लिये दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है।
- पूर्वी ज़ोन के 25-50 हज़ार आबादी वाले शहरों में जुगसलाई को सिटिजन फीडबैक के लिये बेस्ट सिटी के रूप में सम्मानित किया गया है।
- इसी तरह गार्बेज 3 स्टार रेटिंग में भी झारखंड के जमशेदपुर को 3 रेटिंग से सम्मानित किया गया है।
- स्वच्छता के क्षेत्र में झारखंड को मिली सफलता पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से ये सम्मान झारखंड को प्राप्त हुआ और यह प्रदेश के नागरिकों के लिये गौरव का विषय है।

नोट :

झारखंड विधानसभा की 21वीं वर्षगाँठ

चर्चा में क्यों ?

- 22 नवंबर, 2021 को झारखंड विधानसभा की 21वीं वर्षगाँठ का समारोह मनाया गया, जिसमें प्रदेश के के राज्यपाल रमेश बैस, विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर राज्यपाल की उपस्थिति में विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने देश की सीमा पर शहीद झारखंड के वीर सपूतों एवं नक्सल अभियान में शहीद हुए पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया।
- इसके अलावा तीरंदाज़ कोमोलिक बारी, अंकिता भगत और क्रिकेट खिलाड़ी इंद्राणी राय को भी सम्मानित किया गया।
- इस अवसर पर बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक सम्मान से विश्रामपुर विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी को सम्मानित किया गया।
- विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मी, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित झारखंड राज्य के शिक्षकों को शॉल, मोमेंटो प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान की गई।
- वर्षगाँठ समारोह में झारखंड विधानसभा की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान'का विमोचन एवं झारखंड राज्य प्रथम छात्र संसद के Executive Summary का लोकार्पण किया गया।
- जिन शहीदों को मरणोपरांत सम्मान दिया गया, वे हैं- सुनील लकड़ा (हवलदार), दुलेश्वर प्रसाद (आरक्षी), रबिंद्र कुमार (बीएसएफ), किरण सुरीन(आरक्षी), राजेश कुमार, उप समादेष्टा(एसटीएफ), देवेंद्र कुमार पंडित (हवलदार, एसटीएफ), हरद्वार साह (आरक्षी, झारखंड जगुआर), शिव उरांव (सैप)।
- कोरोना टीकाकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त सूरज कुमार, राँची के उपायुक्त छवि रंजन और रामगढ़ की उपायुक्त श्रीमती माधवी मिश्रा को मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि 15 नवंबर, 2000 को गठित झारखंड राज्य की विधानसभा राँची शहर स्थित एच.ई.सी. टाऊनशिप के रसियन हॉस्टल परिसर में अवस्थित है। झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी थे। सभा में पहला अभिभाषण प्रथम राज्यपाल प्रभात कुमार द्वारा दिया गया था।

संथाल का पहला फोर लेन रोड 'हंसडीहा-महगामा'

चर्चा में क्यों ?

- 22 नवंबर, 2021 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने झारखंड के संथाल परगना की पहली फोर लेन सड़क (हंसडीहा से महगामा) को मंज़ूरी प्रदान करते हुए निविदा जारी की।

प्रमुख बिंदु

- इस फोर लेन सड़क का निर्माण राज्य के गोड्डा संसदीय क्षेत्र के हंसडीहा से महगामा तक किया जाएगा।
- इस सड़क की लंबाई लगभग 52 किमी होगी।
- इसके निर्माण में कुल 955 करोड़ रुपए की लागत आएगी।
- इस सड़क मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग 133 (NH-133) से जोड़ा जाएगा।

नोट :

झारखंड राज्य दिवस पर दिखी राज्य की परंपरा और संस्कृति की झलक

चर्चा में क्यों ?

- 24 नवंबर, 2021 को झारखंड राज्य सरकार ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के झारखंड मंडप में झारखंड राज्य दिवस मनाया, जिसमें वक्ताओं ने राज्य की प्रकृति और समृद्ध आदिवासी संस्कृति पर प्रकाश डाला। साथ ही राज्य के लोक कलाकारों ने भी झारखंड की लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर झारखंड के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि झारखंड राज्य भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू और अन्य वीर सपूतों की भूमि है, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- झारखंड राज्य संस्कृति, पर्यटन, कला, खनिजों से समृद्ध है। राज्य में देश की कुल खनिज संपदा का 40 प्रतिशत है, जिसमें लोहा, सोना, अभ्रक, यूरेनियम आदि प्रचुर मात्रा में हैं।
- मिथिलेश कुमार ठाकुर ने राज्य के धार्मिक स्थलों, जैसे- बाबा बैद्यनाथ धाम, रजरप्पा मंदिर, इटखोरी मंदिर, मालुती मंदिर आदि अन्य तीर्थ स्थलों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन स्थलों के हिस्से के रूप में झारखंड के बेतला राष्ट्रीय उद्यान, नेतरहाट, हज़ारीबाग आदि में अपार संभावनाएँ हैं।
- उद्योग विभाग तथा खान एवं भूतत्त्व विभाग की सचिव पूजा सिंघल ने कहा की झारखंड धार्मिक, पर्यटन, खनिज, संस्कृति और उद्योग का साक्ष्य है। भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड फोकस स्टेट है।
- झारखंड राज्य दिवस पर एम्फी थियेटर में झारखंड के प्रभात कुमार महतो द्वारा छऊ नृत्य, अशोक कच्छप द्वारा पाइका नृत्य, झिंगगा भगत मनोरंजन कला संगम द्वारा ओरॉन नृत्य, आर. आर. मेहता द्वारा मुंदरी नृत्य, झिंगगा भगत द्वारा नागपुरी नृत्य और बबीता मुर्मू द्वारा संथाली नृत्य प्रस्तुत किया गया।

लैंगिक समानता के लिये XISS व PHIA फाउंडेशन के बीच समझौता

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (XISS), राँची और पार्टनरिंग होप इनटू एक्शन (PHIA) फाउंडेशन, राँची ने लैंगिक समानता के क्षेत्रों में सहयोग और छात्रों को चेंजमेकर के रूप में शामिल करने हेतु एक वर्ष की साझेदारी के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

- XISS और PHIA के बीच साझेदारी का उद्देश्य एक सुविधाजनक मंच का सह-निर्माण करना है, जहाँ कल के युवा नेताओं को लिंग के मुद्दे की बारीकियों को समझने और लैंगिक न्याय के आसपास एक नया आख्यान बनाने में मदद करने के लिये एक व्यापक अनुभव प्राप्त हो सकता है।
- इस साझेदारी के तहत PHIA फाउंडेशन, XISS के छात्रों को चेंजमेकर बनने के लिये प्रशिक्षित करेगा, जहाँ वे रचनात्मक सामग्री के साथ जनता तक पहुँचेंगे और इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करेंगे।
- छात्र/चेंजमेकर स्वयं और दूसरों में बदलाव लाने के लिये सार्थक एवं आकर्षक बातचीत शुरू करेंगे। चेंजमेकर्स राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में कैंपेन एंबेसडर के रूप में भी काम करेंगे और उन्हें चेंजमेकर सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया जाएगा।
- नॉलेज पार्टनर के रूप में, पीएचआईए फाउंडेशन छात्रों के लिये जेंडर मुद्दों पर कार्यशालाओं/विचार-दुकानों और जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में मदद करेगा।
- यह साझेदारी जेंडर अड्डा की तरह एक सुरक्षित स्थान (ऑनलाइन या ऑफलाइन) बनाने में भी मदद करेगी, ताकि छात्रों को समाज में और विशेष रूप से अपने परिवेश में अपने अनुभव, प्रश्न, बहस, बातचीत और वर्तमान लिंग रूढ़ियों को चुनौती देने के लिये प्रोत्साहित किया जा सके।

नोट :

पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर'का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

- 25 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने झारखंड मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में राज्य के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सरयू राय की जीवनी पर आधारित पुस्तक 'द पीपुल्स लीडर'का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक सरयू राय द्वारा लिखी गई पुस्तकें राज्य सरकार को एक बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करती हैं।
- इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि कृतज्ञ समाज का उत्तरदायित्व है कि जो लोग अच्छे कार्य करते हैं उनके कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुँचानी चाहिये।
- उन्होंने कहा कि विधायक सरयू राय ने हमेशा अच्छे कार्य किये हैं। उन्होंने एकला चलो की राह को अपनाते हुए अपनी नीति और सिद्धांत के साथ कभी समझौता नहीं किया।
- इस अवसर पर 'द पीपुल्स लीडर'पुस्तक के लेखक विवेकानंद झा ने बताया कि सरयू राय से संबंधित व्यक्तिगत, सामाजिक, राजनीतिक जीवन के कई अनछुए पहलुओं को इस पुस्तक में दर्शाया गया है।
- वर्ष 1974 छात्र आंदोलन, आपातकाल में भूमिका, राजनीति में पदार्पण, विभिन्न मुद्दों पर मतभेद, घोटालों को उजागर करने की भूमिका से लेकर कई अन्य घटनाओं का जिक्र इस पुस्तक में किया गया है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 में झारखंड देश का द्वितीय सर्वाधिक गरीब राज्य

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में नीति आयोग द्वारा बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 जारी किया गया है, जिसमें झारखंड को गरीबी के मामले में द्वितीय (बिहार को प्रथम) स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार झारखंड के 42.16 प्रतिशत लोग गरीब हैं, जो देश में बिहार (51.91 प्रतिशत) के बाद सर्वाधिक हैं। वहीं केरल देश का सबसे कम गरीब राज्य है।
- झारखंड के 47.99 प्रतिशत लोग कुपोषण का शिकार हैं।
- झारखंड को बहुआयामी गरीबी सूचकांक में 0.202 स्कोर प्राप्त हुआ है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र का स्कोर 0.246 एवं शहरी क्षेत्र का स्कोर 0.067 है।
- चतरा झारखंड का सबसे गरीब ज़िला है, जहाँ की 60.74 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है। वहीं पाकुड़ (60.66 प्रतिशत), पश्चिमी सिंहभूम (57.60 प्रतिशत), साहिबगंज (55.93 प्रतिशत) एवं गढ़वा (53.26 प्रतिशत) राज्य के सर्वाधिक गरीब ज़िले हैं।
- पूर्वी सिंहभूम झारखंड का सबसे कब गरीब ज़िला है, जहाँ की केवल 23.99 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है। वहीं राँची इस मामले में द्वितीय स्थान पर है, यहाँ की 27.7 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है।

व्यापार मेला में फोकस स्टेट की श्रेणी में झारखंड पवेलियन को मिला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों ?

- 27 नवंबर, 2021 को देश के सबसे बड़े व्यापार मेले 'भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला' के समापन अवसर पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने झारखंड पवेलियन को फोकस स्टेट श्रेणी में स्वर्ण पदक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- पदक और प्रशस्ति-पत्र झारखंड पवेलियन की तरफ से पवेलियन निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि झारखंड उद्योग विभाग द्वारा लगाया गया यह मंडप झारखंड के विभिन्न विभागों और वहाँ के शिल्पकारों, कारीगरों एवं व्यवसायियों के लिये विश्व स्तर का पटल है।
- इस वर्ष पवेलियन में झारखंड ने लगभग 42 स्टॉल लगाए थे, जिन्हें झारखंड उद्योग विभाग ने पवेलियन में आने के लिये प्रशस्ति पत्र दिया।
- इन स्टॉलों में झारखंड के खान एवं भूतत्त्व विज्ञान विभाग को प्रथम, वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन को द्वितीय तथा राँची स्मार्ट सिटी को तृतीय स्थान दिया गया। इस वर्ष झारखंड के स्टॉलों पर लगभग 20 रुपए लाख की बिक्री हुई।
- उल्लेखनीय है कि दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर, 2021 तक 40वाँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का आयोजन किया गया।
- इस मेले का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 दिनों तक (14 नवंबर से 27 नवंबर तक) किया जाता है। शुरू के कुछ दिन व्यापारियों के लिये तथा बाकी दिनों के लिये आम लोगों हेतु खुला होता है। इस मेले में भारत के सभी राज्य हिस्सा लेते हैं तथा अपने-अपने राज्यों की प्रगति, संस्कृति, पर्यटन स्थल और व्यापार के बारे में जानकारी देते हैं।
- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला का पहली बार आयोजन 1979 में किया गया था। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला निर्माताओं, व्यापारियों, निर्यातकों और आयातकों के लिये एक साझा मंच प्रदान करता है।
- इस मेले का आयोजन भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की व्यापार संवर्धन एजेंसी द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

तोरपा शत-प्रतिशत कोविड-19 टीकाकरण प्राप्त करने वाला राज्य का पहला ब्लॉक

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में तोरपा 100 प्रतिशत कोविड-19 टीकाकरण कवरेज हासिल करने वाला झारखंड का पहला ब्लॉक बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के खूंटी ज़िले में स्थित आदिवासी बहुल इस प्रखंड ने टीकाकरण अभियान के शुरुआती चरण में ग्रामीणों के विरोध के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है।
- ज़िला प्रशासन के अधिकारियों की कड़ी मेहनत और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रदान की गई सहायता से टीकाकरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और ग्रामीणों में टीकाकरण से जुड़ी आशंकाओं को दूर करने में मदद मिली।
- तोरपा में कुल 95 गाँव हैं और अब तक 55939 लोगों (18 वर्ष से अधिक की आबादी) को पहली खुराक का टीका लगाया जा चुका है। यह टीके के लिये पात्र जनसंख्या का 100% है; साथ ही 70 प्रतिशत लोगों ने दूसरी खुराक भी ले ली है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की संयुक्त सचिव गायत्री मिश्रा ने हाल ही में अपने तोरपा दौरे पर तोरपा में शुरू किये गए अभियान के बारे में जानकारी ली।

नोट :